कर्तव्य

भगवान श्रीकृष्ण जी ने कहा है " **कर्म करो फल की चिंता मत करो** " . मित्रों कभी भी अपने कर्त्तव्य से विमुख नहीं होना चाहिए। मित्रों आप पढ़ाई करें और पुरे **Hard Work** से करें, अपने कर्तव्य को हमेशा याद रखें आप जरूर **Success** होंगे।

सिरसा गांव में बिहारीलाल नामक एक गरीब किसान रहता था।एक बार उस क्षेत्र में 10 वर्षों से **अकाल** पड़ा था। जिससे सभी लोगों का पलायन हो रहा था। लेकिन बिहारीलाल को अपनी **पुश्तैनी जमीन** पर मरना कबूल था, लेकिन उसे छोड़ना कबूल नहीं था।

वह खुद कृषकाय हो चुके थे और अपने दुबले हो चुके बैलों के साथ खेत में हल जरूर चलाते थे। बैल भी अपने मालिक का साथ बखूबी देते थे।एक दिन **मेघराज** ने कारण जानना चाहा और वह बृद्ध आदमी बनकर बिहारीलाल से प्रश्न कर बैठे, "आप इस सूखे मौसम में प्रत्येक दिन हल क्यूं चलाते है ?"

बिहारीलाल का उत्तर था, "**अगर मैं अपने बैलों के साथ हल न चलाऊं तो, मैं और मेरे बैल दोनों अपने कर्तव्य को और खुद को भूल जाएंगे।**" मेघराज को अपनी भूल का आभास हो चुका था जो 10 साल से सिरसा गांव के क्षेत्र से वंचित रखे हुए थे। उसी दिन रात में बारिश हुई और धरती और किसान दोनों ख़ुशी से झूमने लगे।

क्लास में पढ़ाई चल रही थी अचानक

मित्रों कभी भी किसी को कमजोर समझकर उसे परेशान नहीं करना चाहिए। हमेशा उसका सम्मान करना चाहिए, क्योंकि आप अगर उसे हमेशा परेशान करेंगे तो वह भी पलटवार कर सकता है और उसका पलटवार आप पर बहुत भारी पड़ सकता है, क्योंकि उसके पार कोई दूसरी Choice नहीं रहेगी। आज की कहानी इसी पर आधारित है।

क्लास में पढ़ाई चल रही थी। अचानक शोर उठा और सभी की निगाहे फिल्ड की तरफ गई तो सभी अवाक् रह गए। दो **सांड** आपस में लड़ रहे थे। **उन दोनों की लड़ाई देखने के लिए सभी की पढ़ाई बंद हो गई। फिल्ड के चारो तरफ जमावड़ा लग गया।**

बड़ा सांड कमजोर वाले पर भारी पड़ रहा था। बड़े वाले ने छोटे सांड को फिल्ड की दिवार से दबा दिया था। खुनी जंग थी। लेकिन तभी छोटे सांड ने पूरा जोर लगाकर बड़े वाले को उठाकर दे मारा।

बड़ा सांड कराहता हुआ जमीन सूंघ रहा था। अगर जन समूह ने छोटे सांड को भगाया नहीं होता तो छोटा सांड बड़े सांड की जान भी ले सकता था।